शोक प्रकाश

माननीय सदस्यगण,

विगत् सत्र से अब तक की अवधि में हमारे बीच से कई राजनेता, कलाकार, समाजसेवी, साहित्यकार और आम नागरिक गुजर गए। इनमें से के0 शंकर नारायणन, रमई राम, सोम मराण्डी, यदुनाथ बास्के, प्रशांत कुमार, शिवा महतो, पंडित सुखराम, नवल किशोर राय, डॉ0 रविन्द्र कुमार राणा, रामदेव सिंह यादव, संत रामाश्रय ईश्वर, डॉ0 त्रिभुवन सिंह, योगेन्द्र पाण्डेय, नरेन्द्र सिंह, रमेश चन्द्र लाहोरी, पंडित शिवकुमार शर्मा, भूपेन्द्र सिंह, माया गोविन्द एवं जादुमीन बेसरा प्रमुख हैं।

झारखण्ड के पूर्व राज्यपाल के0 शंकर नारायणन का दिनांक 25 अप्रैल, 2022 को निधन हो गया। वे महाराष्ट्र व नागालैंड के राज्यपाल भी रहे। झारखण्ड में छठे राज्यपाल के रूप में उन्होंने 26 जुलाई, 2009 को योगदान दिया था। उनकी पहचान एक कड़े प्रशासक के रूप में थी। उनके निधन से हम सभी मर्माहत हैं।

गरीबों के हमदर्द तथा सामाजिक न्याय के स्तम्भ कहे जाने वाले वरिष्ठ समाजवादी नेता एवं पूर्व मंत्री रमई राम का निधन दिनांक 14 जुलाई, 2022 को हो गया। स्व0 राम ने नौ बार मुजफ्फरपुर के बोचहा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया एवं 1990 से 2015 तक पाँच बार बिहार सरकार में मंत्री पद का प्रभार संभाला। उनके निधन से जो राजनीतिक शून्यता आयी है, उसकी भरपाई कर पाना हम सभी के लिए सम्भव नहीं है।

झारखण्ड के राजमहल के पूर्व सांसद सोम मराण्डी का दिनांक 23 मार्च, 2022 को निधन हो गया। 07 जनवरी, 1964 को जन्मे मराण्डी वर्ष 1998 में राजमहल लोकसभा क्षेत्र से सांसद चुने गए थे। वे लोकसभा के गैर परम्परागत ऊर्जा कोल मंत्रालय के कंसल्टेटीव समिति में भी रहे। उनकी पहचान एक अत्यन्त सरल व्यक्ति के रूप में थी। उनका निधन हम सभी के लिए एक बडी क्षति है।

संयुक्त बिहार के पूर्व जनजातीय कल्याण मंत्री एवं वरिष्ठ नेता यदुनाथ बास्के का निधन दिनांक 01 जून, 2022 को हो गया। वे वर्ष 1968 से 1971 तक घाटशिला से विधायक रहे थे। उनका जन्म 07 जनवरी, 1928 को मुसाबनी के रागांमटिया में हुआ था। एक साधारण परिवार से निकलकर राजनीति के शिखर तक पहुँचनेवाले नेता के निधन से हम अत्यन्त मर्माहत हैं।

पर्यावरण प्रेमी और गाँधीवादी विचारधारा के अगुवा नेताओं में शामिल एवं वर्ष 1991, 1995 एवं 2003 में पोड़ैयाहाट विधानसभा का प्रतिनिधित्व करनेवाले पूर्व विधायक प्रशांत कुमार का दिनांक 30 मई, 2022 को निधन हो गया।

झारखण्ड आंदोलन एवं झारखण्ड राज्य निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानेवाले स्व0 कुमार के निधन से झारखण्ड की राजनीति का एक कोना सूना हो गया है।

डुमरी में उच्च शिक्षा जगत की अलख जगानेवाले और झारखण्ड पृथक राज्य आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक पूर्व विधायक शिवा महतो का दिनांक 28 फरवरी, 2022 को निधन हो गया। उन्होंने 1980, 1985 तथा 1995 में डुमरी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। इनके निधन से झारखण्ड में जो राजनीतिक नुकसान हुआ है उसकी भरपाई कर पाना सम्भव नहीं है।

वर्ष 1993 से 1996 तक केन्द्रीय संचार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रहे, पूर्व केन्द्रीय मंत्री पंडित सुखराम का दिनांक 10 मई, 2022 को निधन हो गया। 27 जुलाई, 1927 को जन्में पंडित सुखराम ने पाँच बार विधानसभा चुनाव जीता एवं तीन बार हिमाचल प्रदेश की मंडी लोक सभा सीट से सांसद रहे।

01 जनवरी, 1960 को जन्मे सीतामढ़ी के पूर्व सांसद नवल किशोर राय का दिनांक 16 अप्रैल, 2022 को निधन हो गया। वे 1991, 1996 एवं वर्ष 1999 के लिए निर्वाचित हुए थे। एक कुशल राजनेता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी का असामयिक निधन अत्यंत दुःखद है।

बिहार के भागलपुर जिले के विधानसभा से तीन बार के विधायक एवं खगड़िया से एक बार सांसद रहे डॉ0 रविन्द्र कुमार राणा का दिनांक 23 मार्च, 2022 को निधन हो गया।

बिहार के पूर्व सहकारिता मंत्री और मुंगेर से पूर्व विधायक रामदेव सिंह यादव का दिनांक 17 मार्च, 2022 को निधन हो गया। वे 1980 से 1995 तक लगातार तीन बार मुंगेर से विधायक चुने गए थे। हम उनके निधन से मर्माहत हैं।

बिहार में सरायरंजन कॉलेज के संस्थापक एवं पूर्व विधायक सह प्रमुख शिक्षाविद् संत रामाश्रय ईश्वर का निधन दिनांक 21 मार्च, 2022 को हो गया। उन्होंने सरायरंजन विधानसभा क्षेत्र का वर्ष 1985 से 1990 तक प्रतिनिधित्व किया था। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है।

वर्ष 1985 से 1990 तक बिहार के सीवान जिले के जीरादेई विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करनेवाले डॉ0 त्रिभुवन सिंह का दिनांक 18 मई, 2022 को निधन हो गया। 1971 के भारत-पाक युद्ध में उन्होंने देश की तरफ से लड़ाई लड़ी थी। हम उनके निधन से मर्माहत हैं।

बिहार के पूर्व लघु सिंचाई मंत्री योगेन्द्र पाण्डेय का दिनांक 08 जून, 2022 को निधन हो गया। उन्होंने 1985 एवं 1990 में दो बार गोविन्दगंज विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। हम सभी उनके निधन से मर्माहत हैं।

जे0पी0 आंदोलन के प्रखर सेनानी और बिहार सरकार में कृषि तथा खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मंत्री रहे नरेन्द्र सिंह का दिनांक 04 जुलाई, 2022 को निधन हो गया। नरेन्द्र सिंह 1985, 1990 और 2000 में बिहार के जमुई जिले के चकाई विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए थे। वे 07 मई, 2006 से 05 जनवरी, 2016 तक बिहार विधान परिषद् के सदस्य भी रहे थे। उनके निधन से हमने एक जमीनी नेता खो दिया है।

देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रमेश चन्द्र लाहोरी का दिनांक 23 मार्च, 2022 को निधन हो गया। भारत के 35वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में उन्होंने कई महत्वपूर्ण फैसले सुनाये थे। उनका निधन न्यायपालिका एवं पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है।

दिनांक 13 जनवरी, 1938 को जन्मे पंडित शिवकुमार शर्मा का दिनांक 10 मई, 2022 को निधन हो गया। संतूर की मधुर तान को वैश्विक पहचान दिलाने वाले शर्मा भारत के गिने-चुने शास्त्रीय संगीतकारों में से एक थे। उन्हें वर्ष 1986 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, 1991 में पद्मश्री तथा वर्ष 2001 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। भारत के इस शास्त्रीय गायक की कमी सदैव हम सभी को खलेगी।

शास्त्रीय संगीत और हर दिल को छू लेने वाली दिलकश आवाज के मालिक गायक भूपेन्द्र का दिनांक 18 जुलाई, 2022 को निधन हो गया। इनका निधन भारतीय सिनेमा के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है।

हिन्दी सिनेमा की गीतकार माया गोविन्द का दिनांक 07 अप्रैल, 2022 को निधन हो गया। 17 जनवरी, 1940 को जन्मी माया गोविन्द ने श्रृंगार और विरह के भावों को अपनी कविताओं में स्थान दिया। 1970 में संगीत नाटक अकादमी ने उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनय का पुरस्कार दिया। इनका निधन सिनेमा जगत के लिए बड़ी क्षति है।

संथाली भाषा के विख्यात साहित्यकार एवं 2005 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित जदुमीन बेसरा का दिनांक 23 जून, 2022 को निधन हो गया। वे संथाली भाषा के पहले साहित्यकार थे, जिन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

दिनांक 23 मार्च, 2022 को हैदराबाद में बिहार 11 प्रवासी मजदूरों की आग लगने से हुई मौत, दिनांक 10 अप्रैल, 2022 को देवघर में त्रिकूट पहाड़ पर रोपवे के टूटने से दो महिलाओं की मौत एवं दिनांक 27 मई, 2022 को थल सेना के कर्मियों को ले जा रहे एक बस के श्योक नदी में गिर जाने से 7 सैनिकों के शहीद होने की घटना जिसमें झारखण्ड के हजारीबाग के संदीप कुमार पाल एवं

पाकुड़ के मंगल मुर्मू भी शामिल हैं, के शहादत की खबर एवं दिनांक 17 जून, 2022 को झारखण्ड के विभिन्न जिलों में वज्रपात होने से सोलह लोगों की मौत की घटना अत्यंत पीड़ादायक है।

ईश्वर सभी दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और उनके शोक संतप्त परिजनों को उनका बिछोह सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

आईये हम सभी दिवंगत आत्माओं के शांति के लिए दो मिनट मौन धारण करें।